बारहवीं श्रेणी

संस्कृत

प्रथम सत्र

समय : 3 घण्टे | कुल अंक : 70

आन्तरिक मूल्यांकन : 10

प्रश्न-पत्र की रूपरेखा

नोट : पहले तीन प्रश्नों का उत्तर हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में दिया जा सकता है।

1.	तीन गद्यांश दिए जाएं जिनमें से दो का अनुवाद करने को कहा जाए।	2×5=10
2.	दो पद्य दिए जाएं जिनमें से एक का अर्थ लिखने को कहा जाए।	5
3.	दो पद्य दिए जाएं जिनमें से एक का प्रसंग सहित भावार्थ लिखने को कहा जाए। प्रसंग के दो अंक तथा भावार्थ के 6 अंक निश्चित हैं।	2+6=8
4.	पाठों के अभ्यासों में से छः प्रश्न हिन्दी में पूछे जाएं , जिनमें से चार का उत्तर हिन्दी में लिखने को कहा जाए।	4×2=8
5.	संस्कृत के पांच लघु प्रश्न दिए जाएं। जिनमें से तीन का उत्तर लिखने को कहा जाए।	3×2=6
6.	पाठों में दिए गए शब्दार्थ में से आठ संस्कृत शब्द दिए जाएं जिनमें से 6 शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करने को कहा जाए।	6
7.	यथानिर्दिष्ट परिवर्तन के छः वाक्य दिए जाएं जिनमें से पांच वाक्यों में परिवर्तन करने को कहा जाए।	5
8.	पाठ्यक्रम में दिये गये शब्द रूपों में से आठ शब्दों के रूप किसी एक विभक्ति के तीनों वचनों में पूछे जायें जिनमें से केवल छः शब्दों के रूप लिखने हों।	6×1½ =9
9.	पाठ्यक्रम में दिये गये धातु रूपों में से आठ धातुओं के रूप किसी एक लकार के एक पुरुष के तीनों वचनों में पूछे जायें जिनमें से छः धातुओं के रूप लिखने हों।	6×1½ =9
10.	कारक सम्बन्धी अशुद्धि वाले 6 वाक्य दिये जायें जिनमें से चार वाक्यों को शुद्ध करने को कहा जाये।	4

पाठ्यक्रम : प्रथम सत्र

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 70

आन्तरिक मूल्यांकन : 10

भाग-क (पाठ्य पुस्तक के 1 से 7 तक पाठ)

1. गद्यांशों का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में अनुवाद।
2. पद्य का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में अर्थ।
3. पद्य का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में प्रसंग सहित भावार्थ।
4. पाठों के अभ्यासों में से हिन्दी में प्रश्नोत्तर।
5. पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत में लघु प्रश्नोत्तर।
6. संस्कृत शब्दों का वाक्यों में प्रयोग।
7. यथानिर्दिष्ट परिवर्तन।

भाग-ख (व्याकरण भाग)

8 (क) शब्द रूप : (पु.) गो, पितृ, राजन्, चन्द्रमस्

(नपुं.) मित्र, अक्षि, पयस्

(स्त्री.) बाला, स्त्री, वधू

(ख) धातु रूप : (लट्, लोट्, लड्., विधिलिड्., लृट्)

भ्वादिगण : (प.) भू, व्रज्, खाद्, घ्रा

अदादिगण : (पं.) अस्, हन्

चुरादिगण : (पं.) दण्ड्

तनादिगण :(पं.) कृ

क्रयादिगण : (पं.) ज्ञा, ग्रह्

(ग) कारक : अशुद्ध-शुद्ध वाक्यों पर आधारित

द्वितीय सत्र

कुल अंक : 100

प्रश्न-पत्र की रूपरेखा

आन्तरिक मूल्यांकन : 20

नोट : पहले तीन प्रश्नों का उत्तर हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में दिया जा सकता है।

1. तीन गद्यांश दिए जाएं जिनमें से दो का अनुवाद करने को कहा जाए। 2×5 =10

2. दो पद्य दिए जाएं जिनमें से एक का अर्थ लिखने को कहा जाए। 5

3. दो पद्य दिए जाएं जिनमें से एक का प्रसंग सहित भावार्थ लिखने को कहा जाए। प्रसंग के दो अंक तथा भावार्थ के 6 अंक निश्चित हैं। 2+6=8

4. पाठों के अभ्यासों में से छः प्रश्न हिन्दी में पूछे जाएं, जिनमें से चार का उत्तर हिन्दी में लिखने को कहा जाए।4×2=8

5. संस्कृत के पांच लघु प्रश्न दिए जाएं। जिनमें से तीन का उत्तर लिखने को कहा जाए। 3×2=6

6. छः लेखकों/कवियों के साहित्यिक परिचय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएं जिनमें से पाँच का उत्तर लिखने को कहा जाए। 5

7. पाठों में दिए गए शब्दार्थ में से छः संस्कृत शब्द दिए जाएं। जिनमें से पांच शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करने को कहा जाए। 5

8. यथानिर्दिष्ट परिवर्तन के छः वाक्य दिए जाएं जिनमें से पांच वाक्यों में परिवर्तन करने को कहा जाए। 5

9. 20 व्यावहारिक संस्कृत शब्द दिए जाएं जिनमें से 10 शब्दों का हिन्दी में अनुवाद करने को कहा जाए। 10

10. पाठ्यक्रम में दिए गए धातुओं के साथ प्रत्यय लगाने के लिए 8 धातुएं तथा प्रत्यय दिए जाएं जिनमें से छः करने को कहा जाए। 6

11. पाठ्यक्रम में दिए गए समासों के संबंधित 8 समस्त पद दिए जाएं जिनमें से 6 का विग्रह और नाम बताने को कहा जाए। 6

12. पाठ्यक्रम में दिए भेद रहित अलंकारों से संबंधित चार प्रश्न दिए जाएं जिनमें से दो शब्दालंकार तथा दो अर्थालंकार हों तो उचित है। चार अलंकारों में से केवल दो की परिभाषा तथा उदाहरण लिखने अपेक्षित हों। परिभाषा का एक अंक तथा उदाहरण के 2 अंक निश्चित हैं।

अथवा

पाठ्यक्रम में निश्चित छंदों से संबंधित चार प्रश्न दिए जाएं जिनमें से दो मात्रिक तथा दो वर्णिक छंद हों तो उचित है। चार छंदों में से केवल दो की परिभाषा तथा उदाहरण लिखने अपेक्षित हों। परिभाषा का एक अंक तथा उदाहरण के 2 अंक निश्चित हैं। 2×3=6

13. पाठ्यक्रम में निश्चित तीन निबंध देकर किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में निबंध लिखने को कहा जाए। 10

14. 15 हिन्दी वाक्य दिए जाएं जिनमें से दस वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करने को कहा जाए। 10

पाठ्यक्रम -द्वितीय सत्र

कुल अंक 100

आन्तरिक मूल्यांकन : 20

भाग-क (पाठ्य पुस्तक के 8 से 19 पाठ तक)

1. गद्यांशों का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में अनुवाद।
2. पद्य का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में अर्थ।
3. पद्य का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में प्रसंग सहित भावार्थ।
4. पाठों के अभ्यासों में से हिन्दी में प्रश्नोत्तर।
5. पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत में लघु प्रश्नोत्तर।
6. प्राचीन लेखकों/कवियों का साहित्यिक परिचय।
7. संस्कृत शब्दों का वाक्यों में प्रयोग।
8. यथानिर्दिष्ट परिवर्तन।
9. व्यावहारिक संस्कृत शब्दों का हिन्दी में अनुवाद।

भाग-ख (व्याकरण भाग)

10. (क) प्रत्यय: कृदन्त प्रत्यय-तव्यत्, अनीयर्, यत्, ल्युट्, तुमुन्।

(ख) समास : तत्पुरुष (विभक्तिक) नञ्, अलुक्

(ग) अलंकार और छंद :-

1. (क) शब्दालंकार - अनुप्रास, यमक

   (ख) अर्थालंकार- रूपक, उत्प्रेक्षा, उपमा, अर्थान्तरन्यास

2. छंद : अनुष्टुप, वंशस्थ, मालिनी, शिखरिणी, पंचचामरम्, वसन्ततिलका।

11. निबन्ध : नीचे लिखे विषयों पर संस्कृत में सरल वर्णनात्मक निबन्ध (लगभग 100 शब्दों में)

    आदर्श -छात्र :, मम प्रिय- पुस्तकम्, कश्चिद्, उत्सवः, कश्चिद् महापुरुषः, समाचार पत्राणाम् लाभाः, सत्संगति, परोपकारः।

12. हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद।

निर्धारित पुस्तक : संस्कृत सौरभम्-12, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित।